Bareilly Monday
29 January 2024
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO. 2: BOTTOM

अपने अभिनय से कलाकारों ने खूब लूटी वाहवाही.

रिद्धिमा की ओर से नाटक 'क्यूं पितामह' का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (28 Jan): एसआरएमएस रिद्धिमा में संडे की शाम रिद्धिमा की ओर से नाटक 'क्यूं पितामह' का मंचन हुआ. डॉ. प्रभाकर गुप्ता लिखित और विनायक श्रीवास्तव निर्देशित नाटक महाभारत के अमर पात्र देवव्रत यानी भीष्म पितामह पर केंद्रित रहा. इसमें महाभारत युद्ध की परिस्थियों के दौरान भीष्म पितामह की भूमिका पर सवाल उठाया गया, जिनमें हस्तक्षेप करने पर वह इस भीषण युद्ध को रोक सकते थे. नाटक का आरंभ शांतनु की पत्नी गंगा द्वारा अपने सात पुत्रों को ऋषि वशिष्ठ के शाप के कारण नदी प्रवाहित करने से होता है.

लेते हैं प्रतिज्ञा

आठवें पुत्र को प्रवाहित करते समय गंगा को शांतनु रोक देता है. शांतनु के रोकने के कारण गंगा अपने पुत्र को लेकर वापस चली जाती है और सोलह वर्ष पश्चात बेटे को वापस करने का वचन देती है. उसका नाम देवव्रत रखती है. कुछ समय पश्चात देवव्रत अपने पिता शांतनु के सत्यवती से विवाह करने के लिए आजीवन राज न करने तथा विवाह न करने की भीषण प्रतिज्ञा लेता है. इसी कारण शांतनु उसका नाम भीष्म रखते हैं और इच्छा मृत्यु का वरदान देते हैं. इस कहानी में यह दिखाया गया है कि शिव जी से वरदान लेने के कारण अम्बा भीष्म की मृत्यु का कारण बनती है. इसलिए, युद्ध में अम्बा का अगला जन्म शिखंडी के रूप में होता है.

लगता है आरोप

इन सभी परिस्थियों के कारण भीष्म पर आरोप लगता है कि अगर वो चाहते तो युद्ध रुक सकता था. द्रौपदी के चीरहरण पर भीष्म का मौन रहना और उनकी प्रतिज्ञा अथवा अनेक ऐसे कारण रहे जिसकी वजह से युद्ध हुआ और इन्हें रोका जा सकता था.